हिमाचल अभी अभी

नई सोच नई खोज

साप्ताहिक

/himachal.abhiabhi @himachal_abhi

RNI No. HPHIN/2015/68432 वर्ष 10 अंक 46 कांगड़ा। शनिवार, 15 मार्च-21 मार्च, 2025 www.himachalabhiabhi.com तदनुसार 02 चैत्र, विक्रमी संवत् 2081 कुल पृष्ठ 4 मूल्य ₹5 Postal Regn.No. DGPUR/26/24-26

घर के अंदर शिवलिंग

-पढ़ें पेज 4

धन, वैभव की देवी मां लक्ष्मी

मान्यताओं के अनुसार, जिस पर माता लक्ष्मी प्रसन्न हो जाती है उसके घर में धन और वैभव की कोई कमी नहीं रहती। घर में हमेशा खुशहाली रहती है। शुक्रवार के दिन माता लक्ष्मी के पूजन और व्रत के बारे में तो सभी जानते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि शुक्रवार के दिन गुप्त लक्ष्मी की पूजा की जाती है...

हिंदू धर्म शास्त्रों में सप्ताह का हर दिन किसी न किसी देवी-देवता को समर्पित किया गया है। शुक्रवार का दिन माता लक्ष्मी को समर्पित किया गया है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, माता लक्ष्मी समुद्र मंथन के समय प्रकट हुईं थीं। हिंदू धर्म शास्त्रों में माता लक्ष्मी को धन, वैभव की देवी माना गया है। शुक्रवार के दिन विधि-विधान से माता लक्ष्मी का पूजन और व्रत किया जाता है।

मान्यताओं के अनुसार, जिस पर माता लक्ष्मी प्रसन्न हो जाती है उसके घर में धन और वैभव की कोई कमी नहीं रहती। घर में हमेशा खुशहाली रहती है। शुक्रवार के दिन माता लक्ष्मी के पूजन और व्रत के बारे में तो सभी जानते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि शुक्रवार के दिन गुप्त लक्ष्मी की पूजा की जाती है। दरअसल, गुप्त लक्ष्मी, जिन्हें धूमावती भी कहा जाता है। ये अष्ट लक्ष्मी के रूप में भी जानी जाती हैं। मान्यता है कि जो भी शुक्रवार को गुप्त लक्ष्मी (अष्ट लक्ष्मी) की पूजा करता है उसके घर की तीजोरी हमेशा धन-दौलत से भरी रहती है।

- शास्त्रों में बताया गया है कि मां लक्ष्मी के पूजन के लिए रात का समय शुभ माना गया है।
- शुक्रवार की रात 9 से 10 बजे के बीच मां लक्ष्मी का पूजन करना चाहिए।
- पूजा के लिए सबसे पहले स्वस्छ वस्त्र धारण करने चाहिए।
- फिर पूजा की चौकी पर गुलाबी कपड़ा बिछाकर श्रीयंत्र और गुप्त लक्ष्मी (अष्ट लक्ष्मी) की प्रतीमा या तस्वीर रखनी चाहिए।
- फिर उनके माता के सामने 8 घी के दीपक जलाने चाहिए।
- फिर अष्टगंध से श्रीयंत्र और अष्ट लक्ष्मी को तिलक लगाना चाहिए।
- मां को लाल गुडहल के फूलों की माला पहनानी चाहिए।
- खीर का भोग लगाना चाहिए।
- ऐं ह्रीं श्रीं अष्टलक्ष्मीयै ह्रीं सिद्धये मम गृहे आगच्छागच्छ नमः स्वाहा मंत्र का जाप करना चाहिए।
- अंत में माता की आरती करनी चाहिए।
- फिर आठों दीपक को घर की आठ दिशाओं में रख देना चाहिए।

■ पं. नित्यानंद